



Mr.omkar



Ms.chamchal

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120565201

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 15/01/2001 : _____ जन्म तिथि _____ : 30/07/2002
 सोमवार : _____ दिन _____ : मंगलवार
 घंटे 11:00:00 : _____ जन्म समय _____ : 09:30:00 घंटे
 घटी 10:42:39 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 09:42:13 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Dhamtari : _____ स्थान _____ : Durg
 20:43:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 21:12:00 उत्तर
 81:36:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 81:20:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:03:36 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:04:40 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 06:42:56 : _____ सूर्योदय _____ : 05:37:24
 17:43:18 : _____ सूर्यास्त _____ : 18:44:24
 23:52:02 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:53:19
 मीन : _____ लग्न _____ : कन्या
 गुरु : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : बुध
 कन्या : _____ राशि _____ : मीन
 बुध : _____ राशि-स्वामी _____ : गुरु
 हस्त : _____ नक्षत्र _____ : रेवती
 चन्द्र : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : बुध
 2 : _____ चरण _____ : 1
 अतिगण्ड : _____ योग _____ : सुकर्मा
 विष्टि : _____ करण _____ : गर
 ष-षडबली : _____ जन्म नामाक्षर _____ : दे-देविका
 मकर : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : सिंह
 वैश्य : _____ वर्ण _____ : विप्र
 मानव : _____ वश्य _____ : जलचर
 महिष : _____ योनि _____ : गज
 देव : _____ गण _____ : देव
 आद्य : _____ नाड़ी _____ : अन्त्य
 मेष : _____ वर्ग _____ : सर्प


FUTUREPOINT
 Astro Solutions


ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी
चन्द्र 6वर्ष 2मा 7दि
राहु

25/03/2014

24/03/2032

राहु	05/12/2016
गुरु	01/05/2019
शनि	07/03/2022
बुध	23/09/2024
केतु	12/10/2025
शुक्र	11/10/2028
सूर्य	05/09/2029
चन्द्र	07/03/2031
मंगल	24/03/2032

अंश

17:36:55
01:15:48
15:04:57
19:17:56
13:53:24
07:29:50
18:20:31
00:16:57
21:36:03
21:36:03
25:30:57
11:58:43
20:22:37

राशि

मीन
मक
कन्या
तुला
मक
वृष व
कुंभ
वृष व
मिथु व
धनु व
मक
मक
वृश्चि

ग्रह

लग्न
सूर्य
चंद्र
मंगल
बुध
गुरु
शुक्र
शनि
राहु व
केतु व
हर्ष व
नेप व
प्लूटो व

राशि

कन्या
कर्क
मीन
कर्क
कर्क
कर्क
सिंह
मिथु
वृष
वृश्चि
कुंभ
मक
वृश्चि

अंश

05:08:13
12:56:50
18:10:22
16:42:10
22:49:11
05:32:39
27:24:14
00:46:49
22:35:06
22:35:06
03:46:29
15:46:22
21:12:19

विंशोत्तरी

बुध 15वर्ष 0मा 29दि
शुक्र

28/08/2024

28/08/2044

शुक्र	28/12/2027
सूर्य	27/12/2028
चन्द्र	28/08/2030
मंगल	28/10/2031
राहु	28/10/2034
गुरु	28/06/2037
शनि	28/08/2040
बुध	28/06/2043
केतु	28/08/2044

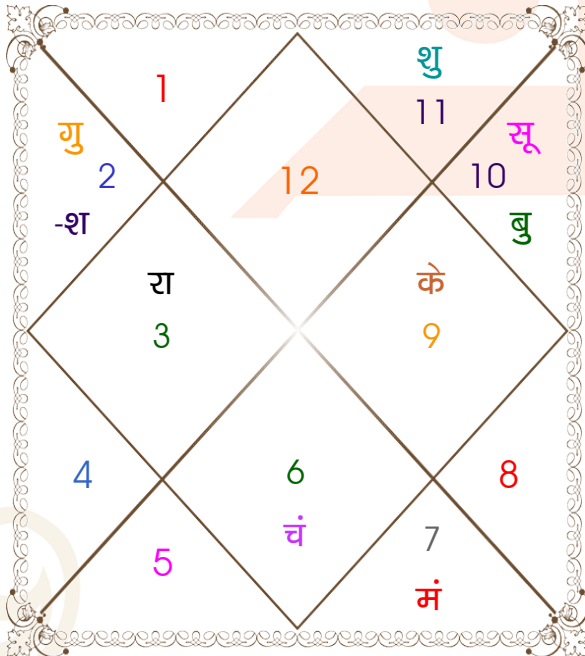
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

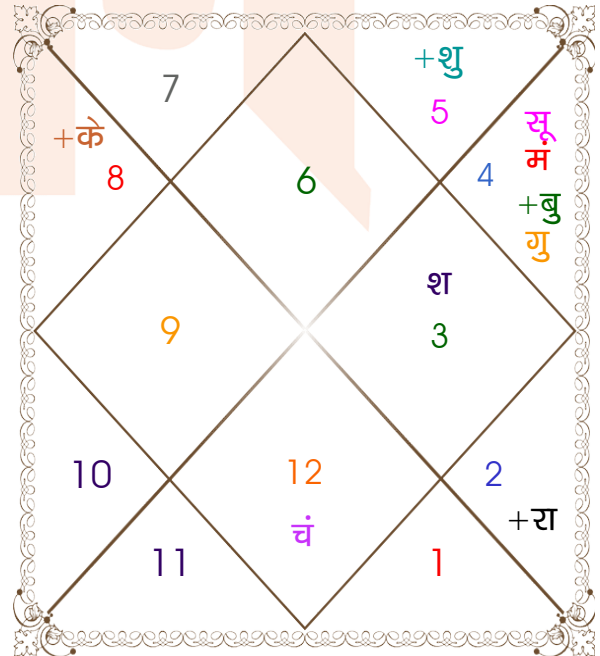
राहु : स्पष्ट

23:52:02 चित्रपक्षीय अयनांश 23:53:19

लग्न-चलित



लग्न-चलित



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020

Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

अष्टकूट गुण सारिणी

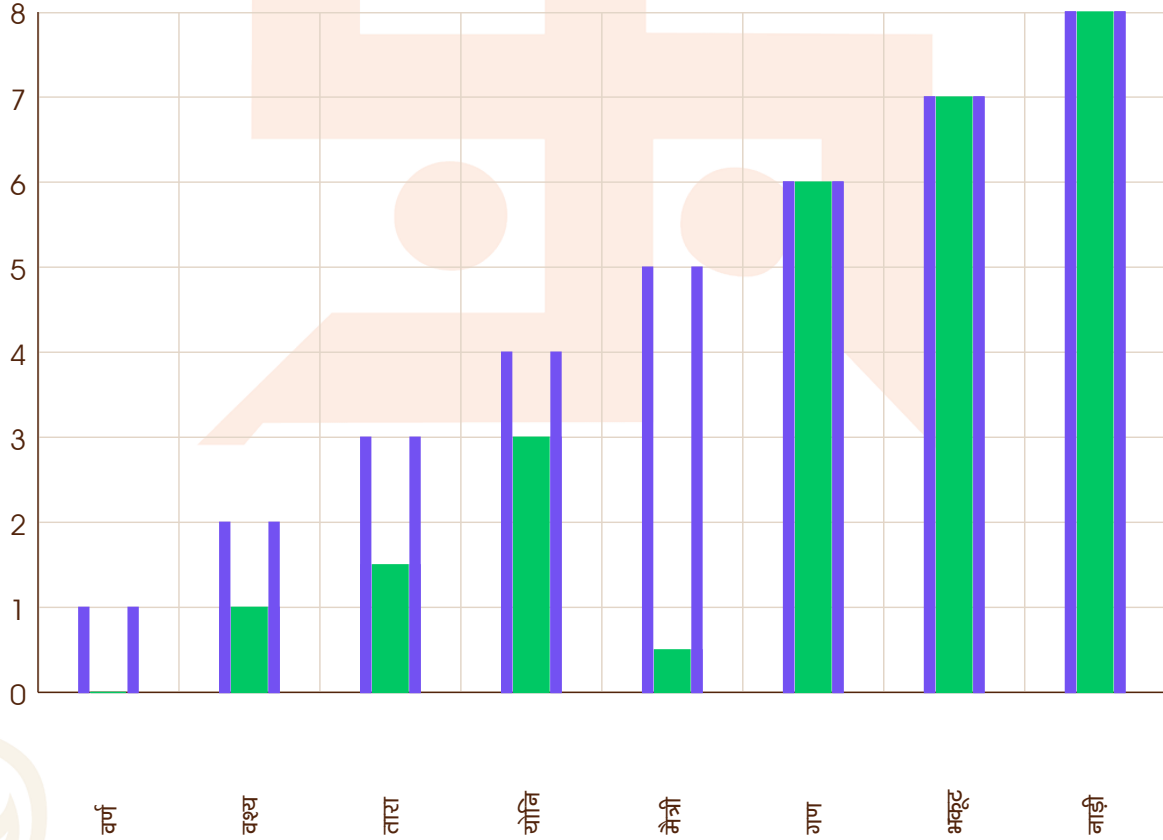
कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	गज	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाडी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान

कुल :

36

27.00

कुल : 27 / 36



FUTUREPOINT
Astro Solutions



अष्टकूट मिलान

Mr.omkar का वर्ग मेष है तथा Ms.chamchal का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.omkar और Ms.chamchal का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.omkar मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

Ms.chamchal मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते ।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.chamchal की कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.omkar तथा Ms.chamchal में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr.omkar का वर्ण वैश्य है तथा Ms.chamchal का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि Ms.chamchal का वर्ण Mr.omkar के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। Ms.chamchal अति अहंकारी, शाहखर्च एवं दिखावा करने वाली होगी। Ms.chamchal को हमेशा यह महसूस होता रहेगा कि उसका पति निम्न दर्जे का है तथा बहुत कम कमाता है। इस कारण से उसमें निराशा की भावना घर कर कर सकती है।

वश्य

Mr.omkar का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Ms.chamchal का वश्य जलचर है अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। मनुष्य एवं जलचर दोनों प्रकृति के अंग हैं यद्यपि कि दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग होते हैं तथा प्रकृति ने दोनों के अलग-अलग कार्य एवं उत्तरदायित्व निर्धारित किये हैं। इसलिये Mr.omkar एवं Ms.chamchal दोनों सामान्यतः एक-दूसरे के कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करेंगे तथा एक-दूसरे के लिए हानिकारक सिद्ध नहीं होंगे। सामान्यतः Mr.omkar Ms.chamchal पर नियंत्रण स्थापित करने में समर्थ होगा। हालांकि यह अनुकूल मिलान नहीं है क्योंकि Mr.omkar हमेशा Ms.chamchal के ऊपर हावी रहेगा।

तारा

Mr.omkar की तारा प्रत्यरि तथा Ms.chamchal की तारा साधक है। Mr.omkar की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। विवाह के उपरांत Mr.omkar कालांतर में बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं नैतिक पतन का शिकार हो सकता है। उसके अवैध संबंध भी हो सकते हैं। परिणामस्वरूप Ms.chamchal को काफी कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। भविष्य में तनाव, निराशा, अवसाद एवं पीड़ा के कारण उसका झुकाव अध्यात्म की ओर हो सकता है।

योनि

Mr.omkar की योनि महिष है तथा Ms.chamchal की योनि गज है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा



FUTUREPOINT
Astro Solutions



रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.omkar का राशि स्वामी Ms.chamchal के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Ms.chamchal का राशि स्वामी Mr.omkar के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Mr.omkar का गण देव तथा Ms.chamchal का गण भी देव है। अर्थात् दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

Mr.omkar एवं Ms.chamchal की राशियां एक दूसरे से सम सप्तक (1/7) हैं। जिसके कारण इस मिलान को अति उत्तम मिलान माना जाता है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान अति शुभ है तथा Mr.omkar व Ms.chamchal को शांति, सुख, सौभाग्य, समृद्धि, योग्य संतान एवं चतुर्दिक विकास के अवसरसमय-समय पर मिलते रहेंगे। साथ ही दोनों के बीच असीम प्यार बना रहेगा तथा दोनों हर कार्य में एक-दूसरे की मदद करते रहेंगे।

नाड़ी

Mr.omkar की नाड़ी आद्य है तथा Ms.chamchal की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात् यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान में शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ का संतुलन होता है। Mr.omkar की आद्य नाड़ी तथा Ms.chamchal की अन्त्य नाड़ी अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ एवं मजबूत शरीर, दम्पति के आपसी प्रेम एवं समझदारी की द्योतक हैं। जिसके कारण आपकी संतान स्वस्थ, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr.omkar की जन्म राशि पृथ्वीतत्व युक्त कन्या तथा Ms.chamchal की राशि जलतत्व युक्त मीन राशि है। पृथ्वी एवं जलतत्व की परस्पर मित्रता एवं समानता होने के कारण Mr.omkar और Ms.chamchal के मध्य स्वभावगत समानताएं विद्यमान होंगी जिससे उनका वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा। अतः मिलान सामान्यतया शुभ रहेगा।

Mr.omkar की राशि का स्वामी बुध तथा Ms.chamchal की राशि का स्वामी गुरु परस्पर शत्रु एवं सम भाव में पड़ते हैं। अतः इसके प्रभाव से इनके मध्य यदा कदा मतभेद तथा विरोध का भाव उत्पन्न होगा। साथ ही एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों की ओर विशेष ध्यान देंगे तथा आलोचना आदि भी करेंगे फलतः परस्पर संबंधों में कटुता तथा तनाव का वातावरण उत्पन्न होगा परन्तु यदि Mr.omkar और Ms.chamchal बुद्धिमता से कार्य लें तथा परस्पर संयत व्यवहार करें तो उनका वैवाहिक जीवन सुखमय हो सकता है।

Mr.omkar और Ms.chamchal की राशियां परस्पर सप्तम से सप्तम भाव में पड़ती हैं। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से Mr.omkar और Ms.chamchal के उपरोक्त दुष्प्रभावों में कमी आएगी तथा परस्पर प्रेम सहयोग सहानुभूति तथा समर्पण का भाव होगा तथा एक दूसरे की भावनाओं का सम्मान करते हुए सुख दुःख में सहयोग प्रदान करेंगे जिससे वैवाहिक जीवन की सुख शांति तथा प्रसन्नता में वृद्धि होगी।

Mr.omkar का वश्य मानव तथा Ms.chamchal का वश्य जलचर है। मानव एवं जलचर के मध्य नैसर्गिक असमानता होने के कारण इनकी अभिरुचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर में भी असमानता होगी। अतः काम संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

Mr.omkar का वर्ण वैश्य तथा Ms.chamchal का वर्ण ब्राह्मण है अतः इनकी कार्य क्षमताओं में असमानता रहेगी। Mr.omkar की प्रवृत्ति धनार्जन में प्रवृत्त रहेगी तथा व्यापारिक बुद्धि से कार्यों को सम्पन्न करेंगे। Ms.chamchal की शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्यों में विशेष रुचि रहेगी तथा इन कार्यों को करने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

धन

Mr.omkar और Ms.chamchal दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Mr.omkar की नाड़ी आद्य तथा Ms.chamchal की नाड़ी अन्त्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में उत्पन्न होने के कारण इन पर नाड़ी दोष का प्रभाव नहीं रहेगा जिससे किसी गंभीर समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा परन्तु मंगल का Ms.chamchal के स्वास्थ्य पर अशुभ प्रभाव होगा जिससे उनको गर्भपात संबंधी परेशानी की संभावना होगी तथा धातु संबंधी रोगों से भी यदा कदा कष्ट की प्राप्ति होगी। साथ ही मासिक धर्म संबंधी परेशानी का भी यदा कदा सामना करना पड़ेगा। अतः मंगल के इस दुष्प्रभाव को कम करने के लिए Ms.chamchal को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr.omkar और Ms.chamchal का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mr.omkar और Ms.chamchal के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms.chamchal के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms.chamchal को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms.chamchal को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदृढ़ स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mr.omkar और Ms.chamchal सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr.omkar और Ms.chamchal का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms.chamchal के अपने सास से सामान्य संबंध रहेंगे तथा परस्पर सामंजस्य से मधुरता बनी रहेगी यद्यपि इनके मध्य यदा कदा विवाद या मतभेद उत्पन्न होंगे परन्तु उनका बुद्धिमता से समाधान करने में दोनों को सफलता प्राप्त होगी। साथ ही Ms.chamchal यत्नपूर्वक सास की सुख सुविधाओं का ध्यान रखकर उनकी सेवा में तत्पर रहेंगी।

लेकिन ससुर से पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति अर्जित करने में Ms.chamchal को कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथा उनकी तरफ से समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगी। परन्तु ननद एवं देवरों से संबंधों में मधुरता रहेगी तथा उनका व्यवहार मित्रवत रहेगा फलतः उनसे पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति प्राप्त होगी।

इस प्रकार Ms.chamchal को ससुराल में सामान्य रूप से अनुकूल वातावरण मिलेगा तथा किंचित असुविधाओं का सामना करके वह सामंजस्य स्थापित करने में सफल हो सकेंगी।

ससुराल-श्री

Mr.omkar तथा उनकी सास के संबंधों में सामान्यतया मधुरता ही रहेगी। साथ ही आपस में किसी प्रकार के मतभेद या तनाव के भाव की न्यूनता रहेगी। वे अपनी सास के प्रति श्रद्धा तथा सम्मानजनक व्यवहार रखेंगे तथा उन्हें अपनी माता के समान ही आदर प्रदान करेंगे। साथ ही सपत्नीक वह समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में Mr.omkar के संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा आयु में पर्याप्त अंतर के कारण दोनों के मध्य काफी वैचारिक विभिन्नता तथा अन्य मतभेद रहेंगे परन्तु यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता का प्रदर्शन किया जाय तो इनमें न्यूनता आ सकती है। साथ ही साले एवं सालियों से Mr.omkar के संबंध अच्छे रहेंगे तथा उनसे इच्छित सहयोग, स्नेह तथा सहानुभूति प्राप्त होगी एवं परस्पर मित्रता का भाव रहेगा। इस प्रकार ससुराल के पक्ष का दृष्टिकोण Mr.omkar के प्रति उत्साहवर्द्धक नहीं रहेगा तथा सामंजस्य से ही इसमें अनुकूलता बनी रहेगी।



FUTUREPOINT
Astro Solutions

